अनुक्रमणिका

प्रकरण	विषय	पृष्ठ क्रमांक
१	**कला एवं उसमें निहीत तत्त्व रस**	1
१.१	कला, कला के प्रकार, ललित कला के प्रकार	2
१.१.१	कला	2
१.१.२	कला के प्रकार	47
१.१.३	ललित कला के प्रकार	62
१.२	ललित कलाओं में अनिवार्य तत्त्व रस	80
१.२.१	रस का प्राथमिक परिचय	80
१.२.२	ललित कलाओं में रस की अनिवार्यता	84
२	**रस का ऐतिहासिक विवेचन तथा अपने अंगों के साथ विस्तृत वर्णन**	104
२.१	रस का ऐतिहासिक विवेचन	105
२.१.१	रस सिद्धांत का आविष्कार एवं क्रमशः परिवर्तन	105
२.१.२	रस विषय पर विभीन्न विद्वानों के मंतव्य	111
२.२	रस का अपने अंगों के साथ विस्तृत वर्णन	134
२.२.१	रस के मूलभूत घटक	134
२.२.२	रस के देवता, वर्ण, छबि-चित्र, इत्यादि का वर्णन	152
२.२.३	रस के घटक तत्त्वों का परस्पर संबंध	158
२.२.४	९ रस का अपने अंगों के साथ विवरण	161
३	**संगीत की विधाओं के घटक तत्त्वों का सौन्दर्य एवं रस से संबंध**	200
३.१	एक ललित कला के रूप में संगीत तथा उसमें रस निष्पत्ति	201
३.२	संगीत की विधाओं के मूलभूत घटक एवं उनका रस से संबंध	218
३.२.१	घटकों का प्राथमिक परिचय	218
३.२.२	श्रुति	219
३.२.३	स्वर	223
३.२.४	राग	236

३.२.५	लय	260
३.२.६	ताल	263
३.२.७	पद (शब्द)	267
३.२.८	ध्वनि - गुण (लक्षण)	270
३.२.९	अभिनय	273
३.२.१०	समग्रलक्षी आकलन	302
४	**संगीत में रस के स्थान का वास्तविक मूल्यांकन**	313
४.१	संगीत में रसानुभूति और रसाभिव्यक्ति	314
४.२	संगीत के दौरान रस-हानि और उसके कारण	344
५	**सांगीतिक सौन्दर्य एवं रसमयता के परिप्रेक्ष्य में रचनात्मक विचार-विमर्श एवं संभवित सुझाव**	357
५.१	सौन्दर्य एवं रसमयता संबंधी रचनात्मक विचार-विमर्श	358
५.२	सौन्दर्य एवं रसमयता के परिप्रेक्ष्य में संगीत की परिष्कृति के संभवित सुझाव	385
	उपसंहार	403
	ग्रंथ-सूची संदर्भिका	416